

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम



मां इंटी बंगारम ने रचा इतिहास... 06

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष-01

अंक-28

नई दिल्ली गुरुवार, 16 जुलाई 2026

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

पृष्ठ- 8

मूल्य-01 रुपये

कैबिनेट की मंजूरी, नई यूरिया नीति से बढ़ेगा उत्पादन

एनआईपीयू-2026 के तहत नए निवेश को प्रोत्साहन, हर नए प्लांट पर 250 करोड़ रुपये से अधिक बचत का अनुमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में यूरिया उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026 (एनआईपीयू-2026) को मंजूरी दे दी गई।

सरकार का मानना है कि इससे घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और भारत को यूरिया के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। नई नीति में वर्ष 2012 की राष्ट्रीय निवेश नीति (एनआईपी-2012) की तुलना में कई सुधार किए गए हैं। इनमें लागत व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए स्थिर और परिवर्ती लागत को अलग करना, रिटर्न ऑन इन्विंटी (आरओई) की सीमा तय करना और विदेशी मुद्रा जोखिम को कम करने के प्रावधान शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने बताया कि एनआईपीयू-2026 के प्रावधानों से इस नीति के तहत स्थापित होने वाले प्रत्येक नए यूरिया संयंत्र पर पिछली नीति की तुलना में 250 करोड़ रुपये से अधिक की बचत होने का अनुमान है।



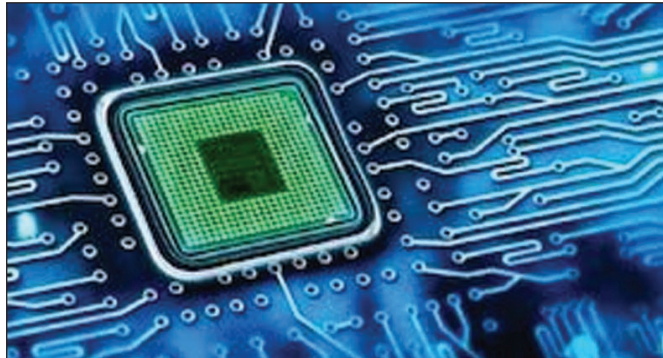
33 इकाइयों से हो रहा उत्पादन

वर्तमान में देश में 33 यूरिया विनिर्माण इकाइयां संचालित हैं, जिनकी कुल स्थापित उत्पादन क्षमता करीब 269.42 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) है। हालांकि, घरेलू उत्पादन अभी भी देश की कुल मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण यूरिया का आयात करना पड़ता है। इससे पहले उर्वरक विभाग ने वर्ष 2012 में राष्ट्रीय निवेश नीति लागू की थी। इसके तहत मौजूदा संयंत्रों के आधुनिकीकरण, विस्तार, बंद पड़ी इकाइयों को दोबारा शुरू करने और नई परियोजनाओं को बढ़ावा देने का काम किया गया। इस नीति के तहत छह नई यूरिया इकाइयां स्थापित की गई थीं।

सरकार को नई यूरिया इकाइयों की स्थापना के लिए कई प्रस्ताव मिल चुके हैं। एनआईपीयू-2026 को मंजूरी मिलने के बाद इन परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होगी। इससे किसानों को उर्वरक की उपलब्धता बेहतर होगी और देश की आयात निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी, चिप निर्माण में आत्मनिर्भर बनेगा भारत

1.27 लाख करोड़ रुपये से चिप निर्माण और डिजाइन को मिलेगा बढ़ावा



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में सेमीकंडक्टर निर्माण और चिप डिजाइन इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए 'सेमीकॉन 2.0' योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। सरकार का लक्ष्य भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का प्रमुख केंद्र बनाना है।

सरकार के अनुसार, सेमीकॉन 2.0 के तहत घरेलू चिप डिजाइन, विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और कुशल मानव संसाधन तैयार करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, दूरसंचार, एयरोस्पेस और औद्योगिक क्षेत्रों में चिप की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

केंद्र सरकार ने बताया कि अब

तक देश में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें एक सिलिकॉन फैब, एक सिलिकॉन कार्बाइड फैब, एक गैलियम नाइट्राइड माइक्रो एलईडी डिस्प्ले फैब और नौ पैकेजिंग यूनिट शामिल हैं। इन परियोजनाओं में 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का प्रस्ताव है।

इनमें माइक्रोन, केनस और सीजी सेमी जैसी कंपनियों ने व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है, जबकि एक अन्य इकाई के 2026 में उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है।

68 हजार छात्रों को मिला प्रशिक्षण

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कुशल युवाओं की जरूरत को देखते हुए देश की 315 विश्वविद्यालयों में चिप डिजाइन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक करीब 68 हजार छात्रों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। सरकार का कहना है कि नई योजना से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और भारत आत्मनिर्भर चिप निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

पासपोर्ट-वीजा ठेके पर हाईकोर्ट सख्त चार भारतीय मिशनों की टेंडर प्रक्रिया रद्द

विदेश मंत्रालय को एक महीने में नए सिरे से निविदा जारी करने का निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

दिल्ली हाईकोर्ट ने विदेश मंत्रालय द्वारा अबू धाबी (यूएई), कुवैत, सिंगापुर और केनबरा (ऑस्ट्रेलिया) स्थित भारतीय मिशनों में कांसुलर, पासपोर्ट और वीजा (सीपीवी) सेवाओं के आउटसोर्सिंग के लिए अपनाई गई तकनीकी मूल्यांकन प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि बोलीदाताओं का मूल्यांकन मनमाने, अपारदर्शी और अनाधिकारिक तरीके से किया गया, जो संविधान के अनुच्छेद-14 में निहित समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति शैल

एक माह में जारी हो नए टेंडर अदालत ने तकनीकी मूल्यांकन और उसके आधार पर दिए गए ठेकों को रद्द करते हुए विदेश मंत्रालय तथा संबंधित भारतीय मिशनों को एक महीने के भीतर नए सिरे से रिक्वेस्ट फॉर प्रोपोजल (आरएफपी) जारी करने और जल्द नई टेंडर प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नई निविदा प्रक्रिया पूरी होने तक मौजूदा सेवा प्रदाता अपना कार्य जारी रखेंगे, ताकि पासपोर्ट, वीजा और कांसुलर सेवाओं में आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जैन की खंडपीट ने ई ट्रेव टेक लिमिटेड और वेरासिस लिमिटेड की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया।

दोनों कंपनियों ने तकनीकी बोली में अन्याय घोषित किए जाने को चुनौती दी थी।

आयुर्वेद के विकास के लिए जैव विविधता जरूरी : राष्ट्रपति

'सौश्रुतम-2026' का उद्घाटन, महिला आयुर्वेद पेशेवरों के सशक्तीकरण और वैज्ञानिक शोध पर दिया जोर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'सौश्रुतम-2026' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के सतत विकास के लिए जैव विविधता का संरक्षण और औषधीय पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। साथ ही आयुर्वेद के क्षेत्र में महिला पेशेवरों के सशक्तीकरण और उनके दीर्घकालिक कैरियर विकास पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सुश्रुत जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने एआईआईए में अत्याधुनिक एआई-सक्षम 3 टेक्स्टा हाई-फील्ड एमआरआई सुविधा का उद्घाटन किया तथा भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) की महिला



आयुर्वेद स्नातकों के व्यावसायिक जीवन पर आधारित अध्ययन रिपोर्ट का विमोचन भी किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि आचार्य सुश्रुत ने वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित शल्य चिकित्सा की मजबूत नींव रखी थी और आयुर्वेद का समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक ज्ञान का आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और उन्नत चिकित्सा उपकरणों के साथ समन्वय

महिला आयुर्वेद विशेषज्ञों को मिले बेहतर अवसर

राष्ट्रपति ने महिला आयुर्वेद पेशेवरों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि उनके कैरियर विकास में आने वाली चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयासों से किया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि 'सौश्रुतम-2026' जैसे आयोजन साक्ष्य-आधारित आयुर्वेदिक चिकित्सा को मजबूत बनाएंगे और वैश्विक स्तर पर इसकी स्वीकार्यता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आयुर्वेद की विश्वसनीयता और वैश्विक स्वीकार्यता को लगातार बढ़ा रहा है।

नौ देशों के विशेषज्ञ ले रहे हिस्सा

कार्यक्रम में आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव, दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटिया तथा एआईआईए के निदेशक प्रो. (वैद्य) पी.के. प्रजापति सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। तीन दिवसीय संगोष्ठी में भारत समेत थाईलैंड, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, श्रीलंका, इंगोनेशिया, नेपाल और ग्रीस सहित नौ देशों के विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। इसमें आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा, रोबोटिक सर्जरी, क्षारसूत्र, अग्निकर्मा, एकीकृत ऑनोलॉजी और आधुनिक अनुसंधान से जुड़े विषयों पर तकनीकी सत्र एवं कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

ममता बनर्जी को एक और झटका

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी को झटका देते हुए तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मदन मित्रा पार्टी के बागी खेमे में शामिल हो गए। यह बागी खेमा विपक्ष के नेता ऋतुब्रत बनर्जी के नेतृत्व में चल रहा है। मदन मित्रा पार्टी के पुराने और अनुभवी नेताओं में गिने जाते हैं। वह पहले भी सरकार में मंत्री रह चुके हैं और पार्टी में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है।

कौशल और सुरक्षा से यूपी बना विकास का इंजन: सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व युवा कौशल दिवस-2026 के अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी विशाल युवा आबादी को कौशल विकास के जरिए आर्थिक शक्ति में बदल रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश का भविष्य तभी मजबूत होता है, जब युवाओं को समान अवसर और बेहतर प्रशिक्षण मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में रोजगार, सुरक्षा और निवेश का माहौल खराब था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश कौशल विकास, निवेश और औद्योगिक प्रगति के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।



उन्होंने कहा कि प्रदेश की युवा शक्ति को कौशल से जोड़कर अर्थव्यवस्था को नई

दिशा दी जा रही है।

योगी ने कहा कि पहले युवाओं के सामने

शिक्षा व्यवस्था, रोजगार के अवसर और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता जैसी चुनौतियां थीं।

उन्होंने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था और सुरक्षित माहौल के कारण अब निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और प्रदेश उद्योगों का प्रमुख केंद्र बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत सुस्था व्यवस्था और सक्रिय एमएसएमई क्षेत्र निवेश के लिए जरूरी आधार हैं। उन्होंने कहा कि आज बनारसी साड़ी को वैश्विक पहचान मिल रही है और आजमगढ़ समेत प्रदेश के कई जिलों की छवि विकास और बदलाव के कारण बदल रही है। सरकार का लक्ष्य युवाओं को कौशल, रोजगार और सम्मानजनक अवसर उपलब्ध कराकर उत्तर प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाना है।

दिल्ली में 80 ट्रीटमेंट प्लांट्स पर शुरू हुआ काम

दिसंबर 2028 तक यमुना में नहीं जाएगा एक भी लीटर गंदा पानी : अमित शाह

‘गोबर से बनेगी सीबीजी और बढ़ेगी पशुपालकों की आय’

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने और गोबर के वैज्ञानिक निस्तारण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) ने कंफ्रेंस बायो-गैस (सीबीजी) प्लांट स्थापित करने के लिए बुधवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुए इस समझौते को देश के सभी बड़े शहरों के लिए एक आदर्श मॉडल बताया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा केंद्र और दिल्ली



सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि इस पहल से पशुपालकों की आय बढ़ेगी, शहरों में स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा, कंफ्रेंस बायो-गैस का उत्पादन होगा और जैविक खेती को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यमुना नदी को

स्वच्छ बनाने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प तभी पूरा होगा, जब नदी में गिरने वाले गंदे पानी और अपशिष्ट का पूरी तरह शुद्धिकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि दिल्ली में गटर के पानी और औद्योगिक कचरे के शुद्धिकरण

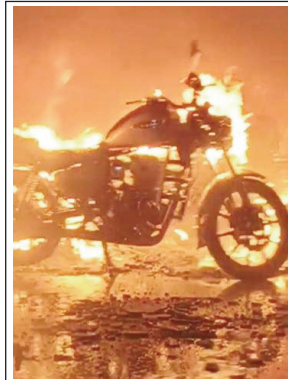
के लिए करीब 80 ट्रीटमेंट प्लांटों पर काम शुरू हो चुका है। साथ ही ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि भविष्य में गोबर का एक छोटा हिस्सा भी यमुना में न पहुंच सके। इसके लिए सवा लाख से अधिक मवेशियों के अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण की योजना तैयार की गई है।

गृह मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य दिसंबर 2028 तक यमुना में एक भी लीटर गंदा पानी नहीं जाने देना है। उन्होंने बताया कि नांगली, घोघा-गोयला और गाजीपुर में स्थापित किए जाने वाले अपशिष्ट निस्तारण संयंत्र गोबर की प्रोसेसिंग का कार्य करेंगे। इन संयंत्रों में गोबर से सीबीजी और जैविक खाद तैयार की जाएगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ पशुपालकों को अतिरिक्त आय भी प्राप्त होगी।

नोएडा अग्निकांड में युवती समेत दो की मौत

ई-स्कूटी चार्जिंग के दौरान धमाके से चार मजिला इमारत में लगी आग, 50 परिवारों को सुरक्षित निकाला गया

नोएडा, (एजेंसी)। सेक्टर-66 के ममुर इलाके में बुधवार को चार मजिला इमारत में हुए भीषण अग्निकांड में 22 वर्षीय स्नेहा श्रीवास्तव समेत दो लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बेसमेंट में चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक स्कूटी में विस्फोट होने के बाद आग तेजी से फैल गई और पूरी इमारत उसकी चपेट में आ गई। हादसे में एक अन्य युवक की भी मौत हुई है, जिसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक, स्नेहा श्रीवास्तव मूल रूप से बिहार की रहने वाली थीं और आग में करीब 40 प्रतिशत तक झुलस गई थीं। वहीं मृत



30 से 40 बाइकें जलकर राख विस्फोट के बाद आग इतनी तेजी से फैली कि बेसमेंट में खड़ी 30 से 40 मोटरसाइकिलें जलकर राख हो गईं। घटना के समय इमारत में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। धुएं और आग के कारण कई परिवार ऊपरी मंजिलों पर फंस गए, जबकि कुछ लोग निचली मंजिल से बाहर निकलने में सफल रहे। घटना के बाद इलाके में अपरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

भवन मालिक हिरासत में, जांच जारी

पुलिस ने भवन मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही यह जांच की जा रही है कि भवन में अग्निशमन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं। बताया जा रहा है कि चार मजिला इमारत में करीब 50 कमरे बने थे, जहां बड़ी संख्या में नौकरपेशा लोग अपने परिवारों के साथ रह रहे थे। पुलिस मृत युवक की पहचान कराने और हादसे के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच में जुटी है।

युवक की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है, जो करीब 80 प्रतिशत तक झुलस गया था। हादसा बुधवार सुबह करीब 11 बजे हुआ।

यीडा की १1वीं बोर्ड बैठक में लिए गए कई अहम फैसले, औद्योगिक विकास और निवेश को मिलेगी नई रफ्तार

स्वदेश प्रेम
ग्रेटर नोएडा : यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की १1वीं बोर्ड बैठक बुधवार को प्राधिकरण सभागार में अध्यक्ष आलोक कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में औद्योगिक विकास, आधारभूत संरचना, निवेश प्रोत्साहन, भूमि प्रबंधन, परिवहन, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वास्थ्य अनुसंधान से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन निर्णयों से यीडा क्षेत्र में निवेश, रोजगार और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार को नई गति मिलने की उम्मीद है।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही की वित्तीय स्थिति की समीक्षा की गई। बताया गया कि 30 जून 2026 तक प्राधिकरण की कुल प्राप्तियां 1,371.75 करोड़

रुपये दर्ज की गईं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 114 प्रतिशत अधिक हैं। इसी अवधि में भूमि क्रय सहित विभिन्न विकास कार्यों पर 2,101.96 करोड़ रुपये व्यय किए गए। औद्योगिक एवं मिश्रित भूमि योजनाओं से भी उल्लेखनीय राजस्व प्राप्त हुआ, जिससे प्राधिकरण की वित्तीय स्थिति मजबूत होने के संकेत मिले। बोर्ड ने हाईराइज भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा के लिए 50 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही एमएसएमई पार्क, हैंडीक्राफ्ट पार्क, टॉय पार्क, अपैरल पार्क तथा मेडिकल डिवाइस पार्क की प्रगति की समीक्षा



की गई। बैठक में बताया गया कि पिछले एक माह में 63 उद्यमियों की लीज डीड निष्पादित हुई, 118 आवंटियों को कब्जा दिया गया, 62 भवन मानचित्र स्वीकृत किए गए तथा 84 परियोजनाओं में निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। बैठक में एनटीपीसी द्वारा उपलब्ध कराई गई इलेक्ट्रिक एवं हाइड्रोजन

बसों के संचालन की भी समीक्षा की गई। बोर्ड ने निर्देश दिए कि आम नागरिकों को बेहतर और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएं। वहीं धनौरी वेटलैंड क्षेत्र के आसपास वैज्ञानिक टोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए भूमि उपलब्ध

कराने का भी निर्णय लिया गया। यीडा बोर्ड ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दक्षिणी क्षेत्र में नए इंडस्ट्रियल नोड विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। साथ ही चीन के यीवू मॉडल की तर्ज पर यीडा इंटरनेशनल ट्रेड सिटी विकसित करने की दिशा में प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया गया। इसके अतिरिक्त किसानों को 7 प्रतिशत आबादी भूखंड आवंटन की प्रक्रिया को और तेज करने के निर्देश दिए गए तथा भविष्य की वाणिज्यिक होटल योजनाओं में नोएडा प्राधिकरण की सकारात्मक नीतियों को शामिल करने पर भी सहमति प्रदान की गई। स्वास्थ्य एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी बड़ा निर्णय लेते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को सेक्टर-9 में

30 एकड़ भूमि आवंटित कर एडवांस्ड रिसर्च फैसिलिटी स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके अलावा विभिन्न औद्योगिक सेक्टरों तथा प्रस्तावित मास्टर प्लान सड़क के लिए भूमि क्रय संबंधी प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे भविष्य की औद्योगिक और आधारभूत विकास परियोजनाओं को गति मिलेगी। यीडा की १1वीं बोर्ड बैठक में लिए गए ये निर्णय औद्योगिक निवेश, आधुनिक अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य अनुसंधान और रोजगार सृजन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। प्राधिकरण का मानना है कि इन फैसलों से यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश केंद्रों में अपनी स्थिति और अधिक मजबूत करेगा।

वारिश के बीच भी इंदिरापुरम में विकास कार्यों को मिली रफ्तार, नगर आयुक्त ने किया स्थलीय निरीक्षण

स्वदेश प्रेम
गाजियाबाद। इंदिरापुरम में करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे विकास कार्यों को बारिश के दौरान भी बिना बाधा जारी रखने के लिए गाजियाबाद नगर निगम पूरी सक्रियता से जुटा है। इसी क्रम में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने विभागीय अधिकारियों के साथ क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की समीक्षा की और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नए बने नालों से मिट्टी एवं अवरोध हटाने, निर्माण स्थलों पर अनिवार्य रूप से बैरिकेडिंग कराने तथा घर्से, दुकानों और सोसाइटियों के प्रवेश मार्गों पर जोएसएफ मटेरियल डालकर आवागमन सुगम बनाने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने कहा कि विकास कार्यों के दौरान नागरिकों की सुविधा सौचन्त्र प्रार्थमिकता है और बारिश के मौसम में विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने मुख्य अभियंता



नरेंद्र कुमार चौधरी सहित सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, महाप्रबंधक (जलकल) कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज तथा अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। नगर निगम के अनुसार इंदिरापुरम में नालों, सड़कों, ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज के निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। सीआईएसएफ रोड, विजयलक्ष्मी मार्ग, कैलाश मानसरोवर मार्ग, विधायक कॉलोनी, अहिंसा खंड और शिप्रा सनसिटी सहित कई स्थानों पर सड़क एवं नाला निर्माण

कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि काला पथर मार्ग, गौर चौक से सुपरटेक मार्ग, वैभव खंड और ज्ञान खंड सहित अन्य क्षेत्रों में कार्य प्रगति पर है। नगर निगम का दावा है कि अगले पांच से छह माह में इंदिरापुरम की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी। नालों से अतिक्रमण हटाकर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान, बेहतर सड़कें, सुचारु जल निकासी और आधुनिक आधारभूत सुविधाएं क्षेत्रवासियों को मिलेंगी। नगर आयुक्त ने नागरिकों से विकास कार्यों में सहयोग करने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि इंदिरापुरम को एक सुखवर्धिस्थ और आधुनिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

हरेंद्र शर्मा बने जिला गौतमबुद्धनगर, कांग्रेस खेलकूद प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

स्वदेश प्रेम-नोएडा : उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपने संगठन विस्तार करते हुए प्रदेश के अंदर खेल कूद प्रकोष्ठ के जिला व शहर अध्यक्षों की लिस्ट जारी की। इसी क्रम में जिला गौतमबुद्धनगर कांग्रेस के खेलकूद प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष के रूप में नोएडा महानगर कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष हरेंद्र शर्मा को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर नोएडा महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार तंवर के कार्यालय पर नवनिर्भुक्त जिलाध्यक्ष हरेंद्र शर्मा जी का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर रामकुमार तंवर ने कहा कि हरेंद्र शर्मा के जिलाध्यक्ष बनने पर जिला गौतमबुद्ध नगर में खेलकूद से संबंधित सभी विषयों पर कार्य किया जाएगा। खेलकूद से संबंधित सभी युवाओं और सभी वर्ग के लोगों को खेलकूद, वह स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की मुहिम चलाई जाएगी। इस अवसर पर नवनिर्भुक्त जिलाध्यक्ष हरेंद्र शर्मा ने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व श्री मल्लिकार्जुन खड्गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, गुपी प्रभारी राजेंद्रपाल गौतम जी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय जी का धन्यवाद करते हुए यह संकल्प लिया कि जिला गौतमबुद्ध नगर में खेलकूद से संबंधित सभी सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए जल्द ही जिले के अंदर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर नोएडा महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार तंवर, कांग्रेसी नेता रिजवान चौधरी, रामकुमार शर्मा, आरके प्रथम, जितेंद्र चौधरी, कैप्टन हर्लिन बाजवा, हसमतराणा, चांद मोहम्मद,नरेश यादव आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।



नौकरी दिलाने के नाम पर बनाते थे साइबर ठग लोगों को शिकार, 3 पुरुष अभियुक्त सहित 17 महिला अभियुता गिरफ्तार

स्वदेश प्रेम
गाजियाबाद । कॉल सेंटर को लेकर गाजियाबाद में पुलिस ने एक विशेष अभियान चला दिया है, जिससे लोगों को साइबर ठगों का शिकार होने से बचाया जा सके। पुलिस लगातार अवेध रूप से चल रहे कॉल सेंटर पर छापा मारकर उनका संचालन करने वाले लोगों को गिरफ्तार कर रही है। खाते ठग, फ्राडम ब्रांच और साहिबाबाद थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नौकरी दिलाने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। पुलिस ने साहिबाबाद क्षेत्र में संचालित एक अवेध कॉल सेंटर पर छापा मार कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज और अन्य सामग्री बरामद की गई है। यह गिरोह बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर उनसे रजिस्ट्रेशन, प्रोसेसिंग फीस और इंटरव्यू शुल्क के नाम पर लाखों रुपये की ठगी कर रहा था। दुर्गा

इंडस्ट्रियल एरिया राजेंद्र नगर चौकी क्षेत्र में की कार्यवाही में एक फर्जी कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा था, जहां से युवाओं को नौकरी दिलाने का लालच देकर उनसे धन उगाही की जा रही थी। जांच के दौरान मुख्य आरोपी और कॉल सेंटर के संचालक अभिषेक जैन ने पुलिस को बताया कि उसने जैनसन इंटरनेशनल के नाम से एक फर्ज रजिस्टर्ड करा रखी थी, जिसका वास्तविक कारोबार सूखे भेवे बेचने का था। इसी फर्ज की आड़ में वह अपनी पत्नी लीना, रिश्तेदारों और अन्य रहस्योगियों के साथ मिलकर एक फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था। कॉल सेंटर में कई महिलाओं और पुरुषों को नौकरी पर रखा गया था, जिसका काम बेरोजगार युवाओं को फोन कर उन्हें आकर्षक नौकरियों का झांसा देना था। इंटरनेट और विभिन्न रोजगार वेबसाइटों से नौकरी तलाश रहे युवाओं का डेटा खरीदते थे। इसके बाद कॉल सेंटर में कार्यरत कर्मचारी उन युवाओं को फोन कर बड़ी कंपनियों में नौकरी दिलाने का भरोसा देते थे। शुरुआत में रजिस्ट्रेशन



फीस, फिर प्रोसेसिंग फीस, इंटरव्यू फीस और अन्य विभिन्न शुल्कों के नाम पर उनसे रकम वसूली जाती थी। कई बार युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता था कि उनकी नियुक्ति लाम्बघत तय है और अंतिम प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त भुगतान करना आवश्यक है। इस तरह आरोपी बेरोजगार युवाओं की मजबूरी का फायदा उठाकर उनसे ठगी करते थे गिरोह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य तकनीकी संसाधन विशेष रूप से ठगी के

लिए उपलब्ध कराए जाते थे। कॉल सेंटर में काम करने वाले कर्मचारियों को फर्जी आईडी पर लिए गए प्रीपैड मोबाइल फोन और सिम कार्ड दिए जाते थे ताकि उनकी गतिविधियों का आसानी से पता न लगाया जा सके। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस गिरोह का संपर्क अन्य राज्यों या बड़े साइबर अपराध नेटवर्क से तो नहीं है। गिरफ्तार आरोपियों में अभिषेक जैन, पीयूष जैन, लीना पंवार, आंचल जैन

सहित कुल 20 लोग शामिल हैं। इनमें कई महिलाएं भी हैं, जो कॉल सेंटर में कॉलिंग एजेंट के रूप में कार्य कर रही थीं। सभी आरोपियों की भूमिका की अलग-अलग जांच की जा रही है और जो लोग ठगी की साजिश में सीधे तौर पर शामिल पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर इस कॉल सेंटर के खिलाफ अब तक 24 शिकायतें दर्ज पाई गई हैं। इससे संकेत मिलता है कि गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों को अपना शिकार बना चुका था। पुलिस अब इन शिकायतों की विशेषण कर रही है ताकि ठगी की कुल राशि और पीड़ितों की वास्तविक संख्या का पता लगाया जा सके। संवाददाता समेलन में डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। विशेष रूप से बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर

ठगने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। ऐसे में युवाओं को किसी भी नौकरी के प्रस्ताव पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। किसी भी कंपनी या एजेंसी को नौकरी दिलाने के नाम पर रजिस्ट्रेशन फीस या अन्य शुल्क देने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध गतिविधि का सामना करता है तो उसे तत्काल साइबर हेल्पलाइन या पुलिस से संपर्क करना चाहिए। गाजियाबाद पुलिस की इस कार्रवाई को साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। मामले की जांच जारी है और जल्द ही इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान से न केवल एक संगठित साइबर ठगी नेटवर्क का खुलासा हुआ है, बल्कि बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाने वाले अपराधियों को भी कड़ा संदेश गया है कि ऐसे अपराध किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

महाकवि डॉ. कुंअर बेचैन की कविताओं की दूसरी वाचन प्रतियोगिता आयोजित



स्वदेश प्रेम-गाजियाबाद । वसुंधरा स्थित सिप्रस डेल्स स्कूल और देवप्रभा प्रकाशन गाजियाबाद द्वारा महाकवि डॉ. कुंअर बेचैन की कविताओं की इस साल की दूसरी वाचन प्रतियोगिता में 33 विद्यार्थियों ने डॉ. कुंअर बेचैन की कविताएं सुनाकर अपनी प्रतिभा को परिचय दिया। श्रेष्ठ वाचन करने वाले पांच विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, प्रमाण पत्र, पुस्तकें और उपहार पुरस्कार में दिये गये। प्रतियोगी विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र और पुस्तकें दी गईं। भावना जोशी पहले, पूर्णिका पांडेय दूसरे, कविश तीसरे स्थान पर रही। हर्षिता एवं राखी को सात्वना पुरस्कार दिया गया। सुप्रसिद्ध कवयित्री शोभा सवान और शिक्षाविद आईएम पांडेय निर्णायक मंडल में शामिल रहे। शोभा सवान ने कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में नई चेतना जगाई। आईएम पांडेय ने विद्यार्थियों को संस्कारों के महत्व से अवगत कराया। कवि, पत्रकार एवं देवप्रभा प्रकाशन के प्रकाशक डॉ. चेतन आनंद ने अपने गुरु डॉ. कुंअर बेचैन के अनेक संस्मरण सुनाये और अपनी कविताओं से विद्यार्थियों को दिशा निर्देशन किया। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी डॉ. कुंअर बेचैन की कविताएं सुनाकर सभी को भाव विभोर कर दिया। सफल संचालन की बागडोर स्कूल की सह-समन्वयक निधि रस्तोगी ने संभाली। स्कूल समिति के पदाधिकारियों डॉ. उदय रस्तोगी, सुनील कुमार सिंह और प्रदीप कुमार शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के खाते से रुपए निकालने वाला ठग गिरफ्तार



स्वदेश प्रेम-गाजियाबाद : थाना खोड़ा पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के बैंक खाते से रुपए निकलने वाले एक शांतिर ठग को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 50 एटीएम कार्ड 9,500 रुपए नगद और एक आईफोन बरामद किया है आरोपी लोगों को मदद करने के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदलकर खाते से रुपए निकाल लेता था डीसीपी ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल ने बताया कि एक पीड़ित ने थाना खोड़ा में शिकायत दर्ज कराई थी की बैंती 15 अप्रैल को कालू सीमेंट के पास स्थित एक एटीएम से रुपए निकालने के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका एटीएम कार्ड बदल दिया और बाद में उसके खाते से 26,150 रुपए निकल लिए शिकायत के आधार पर थाना खोड़ा में मुकदमा दर्ज किया गया मामले में खुलासे के लिए पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज मैनुअल इनपुट और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान आरोपी की पहचान आकाश कुमार उर्फ अक्की पंडित 26 वर्ष निवासी चोटपुर कॉलोनी सेक्टर 63 नोएडा के रूप में हुई मुखबि की सूचना पर मौलवार को पुलिस ने आरोपी को इंदिरापुरम अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह विभिन्न एटीएम के बाहर ऐसे लोगों की तलाश करता था जिनको एटीएम चलाने की पूरी जानकारी नहीं होती थी वह मदद करने के बहाने पहले पीड़ित का एटीएम कार्ड और पिन जान लेता था इसके बाद इसी बैंक का मिलता जुलता एटीएम कार्ड बदलकर पीड़ित को दे देता तथा असली कार्ड अपने पास रख लेता था आरोपी बातचीत के दौरान मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग भी करता था ताकि पिन की जानकारी सुरक्षित रहे बाद में वह दिल्ली और आसपास के विभिन्न एटीएम से पीड़ितों के खाते से रुपए निकाल लेता था आरोपी बातचीत के दौरान मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग भी डिलीट कर देता था पुलिस आरोपी के अपराधिक इतिहास और उसके गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है मामले में संबंधित थाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

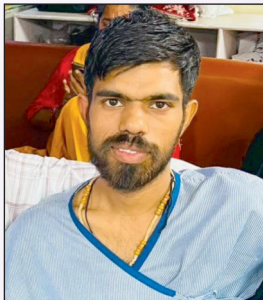
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की समस्याओं को लेकर भाकियू प्रतिनिधिमंडल ने एसीईओ सीम्य श्रीवास्तव से की मुलाकात



स्वदेश प्रेम-ग्रेटर नोएडा, । भारतीय किसान यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के एसीईओ श्री सीम्य श्रीवास्तव से क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की 4% आवासीय भूखंड दिए जाने, क्षेत्रीय युवाओं को स्थानीय कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराने, सेक्टरों की तर्ज पर गांवों में विकास कार्य कराने तथा फतेहपुर, रामपुर, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। एसीईओ श्री सीम्य श्रीवास्तव ने सभी समस्याओं पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। बैठक के दौरान भाकियू पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि यदि पूर्व में दिए गए आश्वासनों की तरह इस बार भी समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं हुआ, तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर भाकियू के एनसीआर अध्यक्ष परविंद अवाना, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, दादरी जिलाध्यक्ष मनोज मावी, अनिल खारी, अनूप नागर, धीरेन्द्र भाटी, कमलजीत खारी, धर्म प्रधान, पवन भाटी, पुनीत भाटी, अजयपाल भाटी, गजजगर, हवलदार, धर्मवीर भाटी, जितेंद्र कसाना, सुरेंद्र भाटी, लक्ष्मी भाटी, भागमल भाटी, विकास भाटी सहित बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता भूपेंद्र कुमार के पुत्र के निधन पर शोक, आज हिंडन श्मशान घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

स्वदेश प्रेम-गाजियाबाद । अलख दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जितेंद्र के कड़े बड़े भाई तथा वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के नेता भूपेंद्र कुमार के 26 वर्षीय पुत्र का बीमारी के चलते असामयिक निधन हो गया। कम उम्र में हुए इस दुःखद निधन से परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। दिवंगत आत्मा का अंतिम संस्कार सोमवार, 13 जुलाई 2026 को प्रातः 10:00 बजे हिंडन श्मशान घाट, गाजियाबाद में किया गया। इस दुःखद अवसर पर परिवार की ओर से सभी शुभचिंतकों, मित्रों, सामाजिक एवं राजनीतिक लोगों ने अंतिम यात्रा में पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कि तथा शोकाकुल परिवार को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करें। पूर्व अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद विनीत त्यागी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी कम आयु में एक युवा का निधन अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने शीर्षणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।



लोक संस्कृति के अमर प्रहरी बाजे भगत को सीएम नायब सैनी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कहा: उनकी रचनाएं सदैव करती रहेंगी समाज का मार्गदर्शन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में हरियाणा के सुप्रसिद्ध लोककवि, रागनी लेखक एवं सांग विधा के महान पुरोधा श्री बाजे भगत जी की जयंतों के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाजे भगत जी के साहित्य, लोककला और सामाजिक चेतना में उनके अमूल्य योगदान को याद करते हुए उन्हें



साहित्यिक धरोहर नहीं, बल्कि हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति और सामाजिक चेतना की अमूल्य विरासत हैं। आज भी उनकी रागनियां गांव-गांव में गुंजती हैं और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार संतो, महापुरुषों और लोक विभूतियों के विचारों एवं आदर्शों को समाज तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे



हरियाणा (एजेंसी)। चानौत गांव का लगभग दो महीने से चला आ रहा पेयजल आंदोलन अब समाधान की ओर बढ़ रहा है। केंद्रीय उर्जा मंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को 11 सदस्यीय संघर्ष समिति से मुलाकात की। उन्होंने राजली डेड से हांसी शहर की पाइपलाइन में टी कनेक्शन देने का आश्वासन दिया।मनोहर लाल ने कहा कि गांव के लिए बाखड़ा नहर से जो पाइपलाइन बिछाई गई उससे भी गांव को पानी दिया जाएगा और हांसी की पाइपलाइन से टी कनेक्शन मिलेगा। संघर्ष समिति ने हांसी के रेस्ट हाउस में इस प्रस्ताव पर सहमति जताई। समिति सदस्यों ने गांव के लोगों से चर्चा के बाद जल्द ही धरना समाप्त करने की घोषणा की बात कही। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में वर्षों से पेयजल संकट बना हुआ है। वे बाखड़ा नहर से हांसी के लिए बिछाई जा रही पाइपलाइन से टी कनेक्शन चाहते थे। इसी मांग पर ग्रामीणों ने गांव में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया था। यह धरना बाद में एक बड़े आंदोलन में बदल गया।आंदोलन के दौरान प्रशासन और ग्रामीण कई बार आमने-सामने आए। धरना स्थल हटाने को लेकर तनाव की स्थिति बनी थी। पुलिस बल तैनात करना पड़ा और प्रशासन ने आंदोलनकारियों को नोटिस भी जारी किए। कई दौर की वार्ता के बावजूद समाधान नहीं निकल पाया था।ग्रामीणों ने 17 जुलाई को जींद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में अपनी मांग उठाने की घोषणा की थी। इसके मद्देनजर प्रशासन ने गांव के बाहर बैरिकेडिंग कर दी थी। एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई थी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल हिंसार में पूर्व राज्यसभा सदस्य सुभाष चंद्रा के पिता नंदकिशोर गोयंका के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने चानौत संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों से विस्तृत बातचीत की। इस बैठक में सुझाए गए समाधान पर दोनों पक्षों के सहमत होने के बाद लंबे समय से चला आ रहा विवाद अंतिम चरण में पहुंच गया है।

पानीपत में तालाब से मिला लापता युवक का शव

पानीपत (एजेंसी)। रिसालू गांव में श्मशान घाट के नजदीक बने एक तालाब से संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान सुशील कुमार के रूप में हुई है, जो एक दिन पहले ही अचानक घर से लापता हो गया था। मृतक के भाई ने शव पर चोट के निशान होने का दावा करते हुए आरोप लगाया है कि सुशील की हत्या कर साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को तालाब में फेंका गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।ज्ञानकारी के अनुसार, मृतक सुशील कुमार मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। वह पिछले कुछ समय से पानीपत के रिसालू रोड क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहा था और यहां मेहनत-मजदूरी व हेल्पर का काम करके अपना गुजारा चलाता था। परिजनों ने बताया कि बीती रात वह बिना किसी को कुछ बताए अचानक घर से लापता हो गया था। दर रात तक जब सुशील वापस करने पर नहीं लौटा, तो चिंतित परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका।अगले दिन ग्रामीणों ने रिसालू गांव के श्मशान घाट के पास स्थित तालाब में एक शव को तैरते हुए देखा। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर बदहवास हालत में पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त सुशील कुमार के रूप में की। मृतक के भाई ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि सुशील के शरीर पर स्पष्ट रूप से चोटों के निशान दिखाई दे रहे हैं।भाई का कहना है कि सुशील की किसी अज्ञात रंजिश के चलते हत्या की गई है और अपराध को छुपाने के लिए आरोपियों ने लाश को श्मशान घाट के पास तालाब में फेंक दिया। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर हत्यारों को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे भेजने की मांग की है।खारदात की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस तुरंत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पानीपत के नागरिक अस्पताल के शवागृह में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के सही कारणों (पानी में डूबने से मौत हुई है या पहले हत्या की गई) का सटीक खुलासा पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

सोनीपत में NH-334B पर जिंदा जला ड्राइवर

सोनीपत (एजेंसी)। जिले में बुधवार दोपहर एनएच-334बी पर गांव रोहणा के पास दो भारी वाहनों का भयंकर एक्सीडेंट हो गया। टक्कर के कुछ ही सेकेंड बाद डस्ट से भरे हाइवा में भीषण आग लग गई और आग ने देखते ही देखते पूरे केबिन को अपनी चपेट में ले लिया।ड्राइवर बाहर निकलने का प्रयास भी नहीं कर सका और केबिन में ही जिंदा जल गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया और पुलिस ने यातायात को सुचारु कराने के साथ दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत सिविल हॉस्पिटल भेज दिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।बुधवार दोपहर करीब एक बजे गांव रोहणा के पास एनएच-334बी पर डस्ट से भरे हाइवा और रोड़ी से भरे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आगे चल रहे रोड़ी से भरे ट्रक (HR-69E-3466) को पीछे से डस्ट से भरे हाइवा (HR-46F-3192) ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हाइवा का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद हाइवा में भीषण आग लग गई। आग तेजी से पूरे केबिन में फैल गई, जिससे चालक वाहन के अंदर ही फंस गया। आसपास मौजूद लोगों ने चालक को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कोई भी केबिन के पास नहीं पहुंच सका।इस हादसे में हाइवा चालक मंगल सेन (37), निवासी गांव आसन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। आग पर काबू पाने के बाद जब केबिन खोला गया तो चालक का शव अंदर से बरामद हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई।सूचना मिलते ही फायर विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशकत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया।

हरियाणा में 3 महीने में दूसरी बार बढ़े टोल रेट: 30 रु. तक ज्यादा देने होंगे



करनाल (एजेंसी)। हरियाणा में टोल दरों में बढ़ोतरी की गई है। करनाल, कुरुक्षेत्र, हिसार, पानीपत और झज्जर टोल प्लाजा पर नए रेट लिस्ट जारी कर दी गई है। कार, जीप और अन्य व्यवसायिक वाहनों के टोल रेट में 10 से 30 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। करनाल के बसताड़ा टोल प्लाजा के ऑपरेशन मैनेजर प्रदीप मलिक ने बताया कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) के निर्देशानुसार मंगलवार रात से ही टोल प्लाजा पर बढ़ी हुई दरों के हिसाब से नए रेट लिए जा रहे हैं। बसताड़ा टोल के रेट भी संशोधित किए गए हैं। अब कार और जीप ड्राइवरों को सिंगल जर्नी के 200 रुपए और डबल जर्नी के 295 रुपए देने होंगे। 7 एक्सप्ल वाहनों का मंथली पास अब 42 हजार 575 रुपए में मिलेगा। पहले ये 41 हजार 315 रुपए में था। वहीं, टोल प्लाजा के आसपास के 20 किलोमीटर के गांवों के वाहन मालिकों के लिए रियायती मासिक पास जारी रहेगा। हरियाणा में जीटी रोड के सबसे महंगे घरों(वाट्सप) टोल प्लाजा पर कार का एक साइड का रेट तीन महीने में 15 रुपए तक बढ़ चुका है। मार्च में इस टोल पर कार का एक साइड का टोल 185 रुपए हुए था। फिर मई में 190 रुपए हो गया। अब जुलाई में यह 200 रुपए हो गया है। बसताड़ा टोल पर LVC (मिनी बस वाइप) का सिंगल जर्नी का रेट 320 रुपए और डबल जर्नी का टोल 480 रुपए हो गया। इसके साथ ही ट्रक

भिवानी (एजेंसी)। निर्माण मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर हरियाणा की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के आवास का घेराव किया। उन्होंने मांग पूरी न होने पर सरकार को बड़े आंदोलन चेतावनी दी। मजदूर नेताओं ने कहा कि मांग नहीं मानी तो न भाजपा नेताओं को वोट देंगे और न गांवों में घुसने देंगे। सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के आवास का घेराव कर रहे कामगार मजदूरों ने कहा कि पोर्टल बंद होने के चलते हर सरकारी योजना से वंचित होने से परेशान हैं। पहले जनवरी माह में और उन्हीं मांगों को लेकर अब एक बार फिर से यहां घेराव करने पहुंचे हैं। जिसके चलते भारी पुलिस बल तैनात किया गया। बैरिकेडिंग कर मैंने गेट के बाहर ही



मजदूरों को रोका गया।इस दौरान कामरेड ओमप्रकाश, मजदूर नेता अनिल कुमार और रामअवतार खोरड़ा ने कहा कि बीते 11 महीनों से हरियाणा सरकार ने पंजीकृत मजदूरों का पोर्टल बंद किया हुआ है। जिससे 6 में से साढ़े 5 लाख मजदूरों की कॉपी रह हो गई।

फरीदाबाद: 43.12 लाख रु. की ठगी का भंडाफोड़

फरीदाबाद (एजेंसी)। साइबर थाना सेंटरल की टीम ने घर बैठे पार्ट-टाइम नौकरी और क्रिटी ट्रेडिंग के जरिए मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर 43.12 लाख रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह पर कार्रवाई की है। पुलिस ने एक महिला सहित 10 आरोपितों को नोएडा दिल्ली गुरुग्राम व रोहतक से गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पुलिस ने 3.10 लाख रुपये नकद, दो सिम कार्ड और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है।पुलिस ने सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस इस गैंग के दूसरे सदस्यों की तलाश कर रही है।मंगलवार रात से टोल प्लाजा पर 5 रुपए से लेकर 30 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। कार, बस, ट्रक और व्यावसायिक वाहनों पर इसका पड़ेगा। झज्जर जिले के रोहद (मिल्क माजरा) टोल प्लाजा पर पर भी वाहन चालकों को पहले की तुलना में अधिक टोल शुल्क देना होगा। टोल अधिकारियों का कहना है कि लोकल वाहन मालिकों (टोल के 20 किलोमीटर के दायरे में) के लिए 360 रुपए का मासिक पास जारी रहेगा। पानीपत टोल प्लाजा पर 17 जुलाई से नई टोल दरें लागू होंगी। नई दरों के तहत कार, जीप, साइरी वैन, एलसीवी, ट्रक, बस और मल्टीएक्सल वाहनों के टोल शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। स्थानीय वाहनों के लिए रियायती व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। सभी वाहनों से टोल की वसूली केवल फास्टैग के जरिए होगी।



लिंक पर क्लिक कर स्क्रीनशॉट भेजने जैसे आसान कार्य दिए गए और बदले में छोटी-छोटी रकम उसके खाते में भेजी गई। इससे पीड़ित का बुरासा जीवन के बाद उसे क्रिटी ट्रेडिंग में अधिक निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। ठगों ने एक फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर उसके खाते में लगातार 30 से 50 प्रतिशत तक का नकली मुनाफा दिखाकर निवेश बढ़ाने के लिए उकसाया। पीड़ित ने 17 मई से 1 जून के बीच आरोपियों द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों में 43.12 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। जब

'गाय को हलवा पसंद नहीं था, इसलिए रसगुल्ले बनवाए'

सोनीपत में नंदिनी की तेरहवीं पर 11 गांवों को न्योता, जमीन पर बैठकर सब्जी-पूरी खिलाई

सोनीपत(एजेंसी)। बुधवार को नंदिनी नाम की गाय के निधन के बाद उसकी तेरहवीं की रस्म निभाई गई। हसनयारपुर तिहाड़ा कलां गांव में परिवार की ओर से 11 गांवों के लोगों को न्योता दिया गया। इस दौरान हवन-यज्ञ, गौ-आरती और भंडारा किया गया। परिवार ने नंदिनी की तस्वीर भी लगाई, जिस पर लोगों ने फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देने आए लोगों के लिए आलू और पेठे की सब्जी व पूरी का प्रसाद भी बनवाया गया। उन्हें परंपरागत तरीके से जमीन पर बैठकर खाना खिलाया गया। मनजीत तिहाड़ा ने बताया कि 7 जुलाई को नंदिनी का निधन हो गया था। वह पिछले 18 साल से परिवार के साथ रह रही थी और घर के हर सदस्य से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई थी। नंदिनी को प्रसाद के रूप में रसगुल्ले खाना बहुत पसंद था, जबकि उसे हलवा-



उनके भाई मेहरबान गांव महलाना स्थित रिश्तेदारी से नंदिनी की मां को घर लेकर आए थे। उस समय नंदिनी महलाना तीन महीने की बछड़ी थी। धीरे-धीरे वह पूरे परिवार के साथ इस तरह घुल-मिल गई कि सभी उसे अपने सदस्य की तरह मानने लगे। दो साल की उम्र में मां खोई: करीब 16 साल पहले प्रसव के घर आने के बाद परिवार उससे बेटी जैसा स्नेह करने लगा। बाद में मेहरबान के घर बेटी का जन्म

हुआ, लेकिन तब तक नंदिनी घर के हर सदस्य के दिल में खास जगह बना चुकी थी। परिवार के बच्चे उसके साथ खेलते थे और अपने पूरे जीवन में उसने कभी किसी बच्चे, बुजुर्ग या अन्य व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया। 12 संतानों को जन्म देकर बढ़ाया गौवंश: नंदिनी ने आशंका के लिए संभव में 12 बार संतानों को जन्म दिया। इनमें से छह गाय आज भी तिहाड़ा परिवार के पास हैं, जबकि बाकी बछड़े और बछड़ियां परिवार ने अपने मित्रों और परिचितों को दे दिए। परिवार आज भी उसी सम्पन्न के साथ इन सभी गौवंश की सेवा कर रहा है। आखिरी बछड़ी की मौत के एक हफ्ते बाद खुद भी चल बसी: करीब एक साल पहले नंदिनी ने समय से पहले एक बछड़ी को जन्म दिया था। समय से पहले जन्म लेने के कारण वह लगातार कमजोर रही। करीब एक हफ्ते पहले उस



रक्तांचल सीजन श्री के वसीम खान और विजय सिंह ने वाराणसी की रौनक को करीब से जिया

(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी :- रक्तांचल सीजन श्री की रिलीज से पहले,शो के प्रमुख कलाकार निकितिन धीर और क्रांति प्रकाश झा ने शक्ति और प्रतिशोध की दुनिया से थोड़ा विराम लेकर वाराणसी की जीवंत संस्कृति का अनुभव किया। दोनों कलाकारों ने बनारस की गलियों,घाटों और स्वादों का आनंद लिया तथा प्रशंसकों को अपनी शानदार ऑफ-स्क्रीन दोस्ती की झलक दिखाई। कलाकारों ने अपनी यात्रा की शुरुआत गोदौलिया स्थित प्रतिष्ठित शंकर चाय वाला में चाय के साथ की,फिर नमो घाट पहुंचे। इसके बाद उन्होंने गंगा में नौका विहार किया और शाम को दशरथमेघ घाट की भव्य गंगा आरती का आनंद लिया। यात्रा का समापन प्रसिद्ध बाटी चोखा रेस्तरां में पारंपरिक भोजन और बनारसी पान के साथ हुआ। वाराणसी की परंपराओं,स्वाद और संस्कृति से भरपूर यह अनुभव रक्तांचल की दुनिया का स्वाभाविक विस्तार महसूस हुआ। प्रशंसकों के उत्साह ने आगामी सीजन को लेकर रोमांच और बढ़ा दिया।

ऋतम श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित,सिद्धार्थ मिश्रा द्वारा लिखित और जार मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस सीजन में क्रांति प्रकाश झा,निकितिन धीर,करण पटेल, माही गिल,राजेश कुमार और विक्रम कोचर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पूर्वालंच की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीजन बदले,महत्वाकांक्षा,बदलती वक्तादारियों और विश्वासघात की कहानों को और गहराई से दिखाएगा। यह 16 जुलाई से केवल एम एक्स प्लेयर वॉर्ड प्रहम वीडियो पर मुफ्त स्ट्रीम होगा।

वाराणसी को मिली 14,447 करोड़ रुपये के गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की सौगात, कैबिनेट ने दी मंजूरी

(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी :- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने 15 जुलाई बुधवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच गंगा नदी के तट पर कनेक्टिविटी प्रदान करने वाले एक लिंक/कनेक्टर कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दी है। 46.039 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में छह लेन का एलिवेटेड मेन कैरिजवे, एक प्रतिष्ठित केबल-स्टे ब्रिज,एक एक्स्ट्राडोज्ड फुट ओवर ब्रिज-कम-मेजर ब्रिज,लूप,रैप,लिंक रोड और सर्विस रोड शामिल हैं। यह परियोजना हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएम) के तहत कुल 14,447.64 करोड़ रुपए की पूंजी लागत पर कार्यान्वित की जाएगी जिसमें 6,037.85 करोड़ रुपए की सिविल निर्माण लागत (यूटिलिटी शिफ्टिंग सहित,जीएसटी को छोड़कर) और एनएच(ओ) के तहत 541.11 करोड़ रुपए की भूमि अधिग्रहण लागत शामिल है।

यह परियोजना एनएच-19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच निरबांध संपर्क प्रदान करेगी जिससे शहर के सड़क नेटवर्क पर भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी और शहरी आवागमन में सुधार होगा। 80- 100 किमी/ प्रतिघंटा की परिचालन गति के लिए डिजाइन की गई इस परियोजना से प्रभावित क्षेत्र में औसत यात्रा समय लगभग 60 मिनट से घटकर 20 मिनट होने की उम्मीद है, जो लगभग 67 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। एनएच-19 और काशी रेलवे स्टेशन के बीच यात्रा समय 50 मिनट से घटकर लगभग 25 मिनट हो जाएगा जिससे लगभग 25 मिनट की बचत होगी।

प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप यह कॉरिडोर प्रमुख राजमार्गों, रेलवे स्टेशनों,लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे और रामनगर आईवर्ग बंदरगाह तक निर्बाध पहुंच प्रदान करके बहुआयामी कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर,बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू),नमो घाट,रामनगर किला और वाराणसी के घाटों सहित प्रमुख धार्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक स्थलों तक कनेक्टिविटी में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

महत्वपूर्ण आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को जोड़कर,यह परियोजना लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करेगी,सड़क सुरक्षा बढ़ाएगी,पर्यटन और तीर्थयात्रा को सुगम बनाएगी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सतत क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी। इस कॉरिडोर को वाराणसी और चंडौली के सड़क नेटवर्क पर भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से एक शहरी परिवहन परियोजना के रूप में परिकल्पित किया गया है। इसका लक्ष्य एनएच-19, वाराणसी रिंग रोड (एनएच-135बी), रामनगर/बीएचयू और अन्य महत्वपूर्ण शहरी स्थानों के बीच एक उच्च गति, निर्यातित संपर्क उपलब्ध कराना है।

प्रतिवर्ष 1.5 करोड़ से अधिक पर्यटक और तीर्थयात्री वाराणसी आते हैं। ऐसे में यह परियोजना काशी विश्वनाथ मंदिर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू),नमो घाट,रामनगर किला,वाराणसी के घाट और काशी रेलवे स्टेशन सहित प्रमुख धार्मिक,शैक्षणिक और सांस्कृतिक स्थलों तक कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार करेगी। साथ ही मौजूदा शहरी सड़क नेटवर्क पर भीड़भाड़ को काफी हद तक कम करेगी।

बीएचयू,लंका और सामने घाट के बीच एक एलिवेटेड स्प्रू,व्यस्त लंका जंक्शन पर यातायात की भीड़ को और कम करेगा। यह परियोजना सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाएगी,यातायात को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करेगी जिससे वाहनों की परिचालन लागत और उत्सर्जन में कमी आएगी। इसके अलावा यह यात्रा की विश्वसनीयता को बढ़ाते हुए यात्री परिवहन और माल दुरुवाई को अधिक सुगम बनाएगी। साथ ही घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों से ट्रैफिक को डायवर्ट करके एनएच-19,बीएचयू-रामनगर कॉरिडोर और एनएच-35 पर भीड़ कम करेगी।

इस परियोजना में कई महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग विशेषताएं शामिल हैं। जिनमें गंगा नदी पर बना 910 मीटर लंबा केबल- स्टे ब्रिज,काशी विश्वनाथ मंदिर तक सुगम पैदल यात्री संपर्क प्रदान करने वाले ट्वैललेटरीज से सुसज्जित 1.32 किलोमीटर लंबा फुट ओवर ब्रिज-कम- मेजर ब्रिज,मौजूदा/प्रस्तावित मालवीय ब्रिज पर बना रेल ओवर ब्रिज, आपातकालीन पार्किंग स्थल,वैद्य अवरोधक,संरचना के बाहरी हिस्से को रोशन करने के लिए विशेष लाइटिंग और वाराणसी की सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित स्थापत्य तत्व शामिल हैं।

एसर,इंटेल् और इन्फिनिटी लर्न ने नीट सीबीटी की तैयारी के लिए भारत का पहला इटीग्रेटेड इकोसिस्टम पेश किया भारत का पहला 'नीट रेडी' लैपटॉप लॉन्च

(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी :- नीट 2027 के कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) प्रारूप को ध्यान में रखते हुए एसर,इंटेल् और श्री चैतन्य एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स की पहल इन्फिनिटी लर्न ने भारत का पहला इटीग्रेटेड 'नीट रेडी' इकोसिस्टम लॉन्च किया है। इस साझेदारी के तहत पेश किया गया भारत का पहला 'नीट रेडी' लैपटॉप छात्रों को तकनीक,एआई संचालित लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल आत्मविश्वास प्रदान करेगा,ताकि वे नई परीक्षा प्रणाली के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। यह समाधान एसर के इंटेल प्रोसेसर से लैस एस्पिराजर सीरीज लैपटॉप,इंटेल की उन्नत क्यूआईट तकनीक और इन्फिनिटी लर्न के एआई-आधारित नीट प्रिपैरेशन इकोसिस्टम को एक मंच पर लाता है। इसका उद्देश्य छात्रों के कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए आवश्यक तकनीकी दक्षता और



गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना है। हर वर्ष 22 लाख से अधिक छात्र नीट परीक्षा में शामिल होते हैं जिनमें लगभग 70 प्रतिशत अभ्यर्थी टियर- 2,टियर-3 और ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। ऐसे में सीबीटी प्रारूप में बदलाव के साथ शैक्षणिक तैयारी के साथ डिजिटल तैयारी भी उनकी ही महत्वपूर्ण हो गई है। नया इकोसिस्टम इस डिजिटल अंतर को कम करने और छात्रों को वास्तविक परीक्षा जैसा अनुभव देने के उद्देश्य से तैयार

की गई है। एस्पिराजर सीरीज लैपटॉप में पहले से इन्फिनिटी लर्न ऐप,एआई मेंटर अल्ट्रा, लाइव एव रिडॉइड क्लासेस, गैटर-वार एड्रैटिव प्रैक्टिस,क्वैरेटड स्टडी मेटेरियल, मॉक टेस्ट,टेस्ट सीरीज,विस्तृत परफॉर्मेंस एनालिटिक्स और नीट सीबीटी सिमुलेशन उपलब्ध है। इससे छात्र परीक्षा से पहले ही डिजिटल वातावरण में अभ्यास कर सकेंगे और अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकेंगे। श्री चैतन्य एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स की

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

स्वदेश प्रेम,रमजान अली गोण्डा कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के समस्त पदाधिकारीगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित कार्यों को समयबद्ध ढंग से

पूरा करें। **मजदूर यात्रियों के लिए किराया कार्ड एवं डंशपैल्ल ऐप के प्रचार-प्रसार पर जोर** बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि श्रम विभाग द्वारा मजदूर यात्रियों की सुविधा के लिए किराया कार्ड जारी किए जाएं, जिससे उन्हें यात्रा के दौरान निर्धारित सुविधाओं का लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि आमजन के बीच डंशपैल्ल ऐप के प्रति व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि लोग डिजिटल माध्यम से वाहन संबंधी आवश्यक सेवाओं एवं दस्तावेजों का सरलता से उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही सड़क सुरक्षा का सबसे प्रभावी



माध्यम है और इसके लिए सभी संबंधित विभाग समन्वित प्रयास करें। **दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए निर्देश** बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायलों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा पीएम

कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि दुर्घटना की स्थिति में घटनास्थल के निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से ही घायल व्यक्तियों को आवश्यकता अनुसार सीधे निकटवर्ती एम्बेनल्ड अस्पतालों में रेफर किया जाए, जिससे उन्हें समय पर बेहतर

उपचार मिल सके और बहुमूल्य जीवन की रक्षा की जा सके। उन्होंने संबंधित विभागों को इस व्यवस्था को पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ लागू करने के निर्देश दिए। **विद्यालयों में सड़क सुरक्षा शिक्षा को बढ़ावा देने पर बल** जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति बच्चों में प्रारंभिक स्तर से ही जागरूकता विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राथमिक, जूनियर एवं इंटरमीडिएट स्तर तक के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में सड़क सुरक्षा संबंधी विषयवस्तु को शामिल करने के लिए आवश्यक पहल की जाए। बैठक के दौरान उन्होंने संबंधित विभागों एवं समिति के

पदाधिकारियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, यातायात नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराने तथा दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। सभी अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा से जुड़े अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा जनसहभागिता बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, एआरटीओ प्रशासन आर.सी. भारतीय, पुलिस क्षेत्राधिकारी सिटी, पुलिस क्षेत्राधिकारी ट्रैफिक, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं समिति के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

अवैध कच्ची शराब पर आबकारी विभाग का शिकंजा: छापेमारी में 10 लीटर शराब बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार



स्वदेश प्रेम, रमजान अली। गोंडा गोंडा। जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग लगातार अभियान चला रहा है। इसी क्रम में मंगलवार, 14 जुलाई 2026 को जिलाधिकारी महोदय, उप आबकारी आयुक्त (देवीपाटन प्रभार) तथा जिला आबकारी अधिकारी गोंडा के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2, मनकापुर की टीम ने थाना छपिया क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। मुखबि्र की सटीक सूचना पर ग्राम नयनजोतिवा गोपालपुर में आकस्मिक छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान टीम ने लगभग 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद करते हुए एक अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना छपिया में उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री और तस्करी के विरुद्ध यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ड्रोन की निगरानी में आबकारी विभाग का बड़ा एक्शन: 500 लीटर अवैध कच्ची शराब, 4 भट्टियां और 2000 किलो लहन नष्ट, 6 पर मुकदमा दर्ज

स्वदेश प्रेम, रमजान अली। गोंडा आबकारी आयुक्त एवं प्रमुख सचिव के निर्देशों के अनुपालन में जनपद गोंडा में अवैध शराब के खिलाफ विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग एवं नवाबगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना नवाबगंज क्षेत्र के दुगार्गंज माझा गांव में ड्रोन की सहायता से सघन छापेमारी की। अचानक हुई इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया। ड्रोन सर्विलांस के जरिए माझा क्षेत्र में संचालित अवैध शराब निर्माण स्थलों की पहचान कर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान लगभग 500 लीटर अवैध कच्ची शराब, चार अवैध शराब भट्टियां तथा करीब 2000 किलोग्राम लहन (कच्चा माल) बरामद किया गया। बरामद सभी अवैध शराब, भट्टियों और लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया, जिससे अवैध शराब निर्माण की गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। इस मामले में थाना नवाबगंज में आबकारी अधिनियम की संबंधित



धाराओं के तहत छह व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे

कारोबार में लिप किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आबकारी विभाग और पुलिस को इस संयुक्त कार्रवाई को अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

विकास खंड हरैया सतधरवा के ग्राम इटैहिया में जलभराव की स्थिति समाप्त, विशेष साफ-सफाई अभियान के साथ स्वास्थ्य विभाग ने वितरित की दवा किट



सुनिश्चित की गई। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान में ग्राम इटैहिया में जलभराव की स्थिति समाप्त हो चुकी है। आवागमन भी सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। स्थिति सामान्य होने के उपरांत पंचायती राज विभाग द्वारा ग्राम में विशेष साफ-सफाई अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों की व्यापक सफाई, नालियों की सफाई, कचरे का निस्तारण तथा आवश्यक स्वच्छता संबंधी कार्य कराए

गए, ताकि जलजनित एवं संवारी रोगों की संभावनाओं को रोका जा सके। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्राम इटैहिया का भ्रमण कर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा सभावित संवारी एवं जलजनित रोगों की रोकथाम के उद्देश्य से दवा किट का वितरण किया। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने, पानी उबालकर पीने, घर एवं आसपास साफ-सफाई बनाए रखने,

मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने तथा बुखार, दस्त, उल्टी अथवा अन्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि ग्राम की स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखते हुए जलनिकासी व्यवस्था, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर प्रभावी रखा जाए, ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े तथा संवारी रोगों की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके।

प्रशासन द्वारा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राहत एवं बचाव से लेकर स्वास्थ्य सुरक्षा तथा स्वच्छता संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निरंतर सुनिश्चित की जा रही हैं।

आकांक्षा ने अपने करीबी दोस्तों के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात की



टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेता गौरव खन्ना के साथ करीब नौ साल पुराना रिश्ता टूटने की खबर ने उनके फैंस को पहले ही हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अब एक बार फिर आकांक्षा ने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा है कि वह प्यार के मामले में खुद को बदकिस्मत मानती हैं। आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने स्वीकार भी कर लिया है। नेटफिलक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना और को-कंटेस्टेंट वरुण यादव (उर्फ लैला) के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात करती नजर आईं। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, 'मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूँ और हमेशा रहूँगी। उस

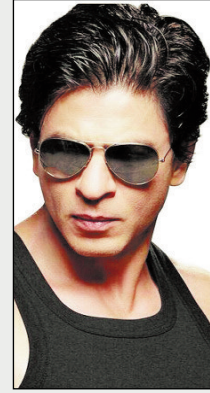
वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। उनकी यह बात सुनकर वरुण यादव ने उनसे दोबारा पूछा, 'क्या तुम सच में प्यार के मामले में बदकिस्मत हो?' इस पर आकांक्षा ने जवाब दिया, 'हां, मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूँ।' गौरतलब है कि 'लॉक अप: सच या सजा' के लॉन्च के दौरान ही आकांक्षा चमोला ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह और उनके पति गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और अब दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया है। आकांक्षा के इस बयान ने शो की होस्ट फराह खान के साथ-साथ उनके फैंस को भी चौंका दिया था। आकांक्षा और गौरव खन्ना ने नवंबर 2016 में लव मैरिज की थी। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी। शादी के बाद दोनों करीब नौ साल तक साथ रहे, लेकिन हाल ही में आकांक्षा ने अपने सेपरेशन की पुष्टि कर दी। इसके बाद से उनकी निजी

जिंदगी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। यही नहीं, पिछले हफ्ते शो के 'जजमेंट डे' एपिसोड में भी आकांक्षा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक और अहम खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह बाइसेक्शुअल हैं और गौरव खन्ना से शादी करने से पहले महिलाओं के

साथ भी रिश्तों में रह चुकी हैं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी थी और कई लोगों ने उनके साहस की सराहना भी की। इन दिनों 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इसमें आकांक्षा

चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहुजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रावर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित कलाकार भी हैं।

शाहरुख संग फिल्म बनाना चाहते थे हिरानी



आमिर खान अपनी अगली फिल्म 'ललकार' में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभाने जा रहे हैं। इसी बीच फिल्म आमिर इस कहानी को 'ललकार' के रूप में बड़े परदे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी एक बार फिर निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ बनेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'ललकार' की कहानी 1से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर से पहले इसी विषय पर शाहरुख खान और निर्देशक राजकुमार हिरानी साथ काम करने की प्लानिंग बना चुके थे। बताया जा रहा है कि 2018 में 'जीरो' और 'संजू' की रिलीज के बाद राजकुमार हिरानी ने शाहरुख को लाला अमरनाथ की बायोपिक का आइडिया सुनाया था। हालांकि, कई कारणों से यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया।



मां इंटी बंगारम ने रचा इतिहास सामंथा ने जताई खुशी

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को लेकर काफी खुश हैं। इस फिल्म ने ग्लोबली 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसे लेकर वह उत्साहित हैं।

साउथ की बेहतरीन अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' 19 जून को रिलीज हुई। महिला प्रधान इस फिल्म ने साउथ में इतिहास रच दिया है। रिलीज के एक महीने से भी कम समय में इसने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म की सफलता से सामंथा खुश हैं। सामंथा ने 'मां इंटी बंगारम' के 100 करोड़ रुपये कमाने पर खुशी का इजहार किया है। उन्होंने इस मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर और अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में सामंथा के पति राज उनसे पूछते हैं कि क्या वह वीडियो में कुछ दिलचस्प देखना चाहती हैं? तो सामंथा हां में जवाब देती हैं। जब वह राज का दिया हुआ आईपैड अनलॉक करती हैं, तो फिल्म की ग्लोबल सफलता देखकर हैरान रह जाती हैं। वीडियो के आखिर में, मुस्कुराती हुई सामंथा कहती हैं, 'हमने 100 करोड़ का आंकड़ा छू लिया।'

फिल्म को लेकर क्या सोचती थीं सामंथा

वीडियो शेयर करते हुए सामंथा ने लिखा 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले, मैं एक ही बात सोचती रहती थी कि क्या लोग फिल्म के बारे में बात भी कर रहे हैं? क्या जो चीजें हम रिलीज कर रहे हैं, वे लोगों तक पहुंच रही हैं? क्या उन्हें पता है कि यह फिल्म आ रही है?



हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा?

उन्होंने आगे लिखा 'मेरे एक दोस्त ने 'बी' सेंटर के एक एग्जिबिटर को फोन किया। उसे पता नहीं था कि मैं भी सुन रही हूँ। मेरे दोस्त ने पूछा, 'आप 'मां इंटी बंगारम' के बारे में क्या सोचते हैं? आपको क्या लगता है कि इसकी ओपनिंग कैसी होगी?' एग्जिबिटर ने बिना हिचकिचाए कहा, 'कोई हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा? अगर वह किसी बड़े हीरो की फिल्म में हो, तो ठीक है। लोग उसे ग्लैमर के लिए जानते हैं। मगर हीरोइन की लीड वाली फिल्म? कौन देखने आएगा? कोई नहीं।' 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले लोगों की यही सोच थी।'

बड़ी चीज की शुरुआत

सामंथा ने आगे लिखा, 'मुझे लगता है कि असली बदलाव तभी आता है जब कोई रिस्क लेने को तैयार हो। ज्यादातर समय, उन रिस्क का फायदा नहीं मिलता। कभी-कभी मिल भी जाता है। हमारे मामले में, ऐसा हुआ। मुझे उम्मीद है कि यह किसी बड़ी चीज की शुरुआत है।'



'हेरा फेरी 3' को लेकर सुनील शेट्टी ने कहा

वेलकम टू द जंगल के बाद कुछ जादुई होगा

सुनील शेट्टी अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इसमें वह अक्षय कुमार, परेश रावल और रवीना टंडन जैसे 90 के दशक के को-स्टार्स के साथ नजर आए। बॉक्स ऑफिस पर इसकी कामयाबी के बाद, एक्टर का मानना है कि यह बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्मों के लिए एक नया रास्ता खोलती है। किसी भी फिल्म की सफलता पूरी इंडस्ट्री की सफलता होती है, खासकर ऐसे समय में जब हम भूल गए हैं कि फैमिली एंटरटेनमेंट का क्या मतलब है। फिरोज नाडियाडवाला की सोच वैसी ही है जैसी डिज्नी की है। यही 'वेलकम टू द जंगल' की सफलता का कारण है। मैं खुश और उत्साहित हूँ और उम्मीद करता हूँ कि ऐसी और भी फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्में बनेंगी।'

दर्शकों के दिलों में जगह बनती है

अपने पुराने को-स्टार्स के साथ फिर से काम करने पर सुनील कहते हैं 'फिल्म की सबसे अच्छी बात यह है कि इतने सारे मशहूर एक्टर के होने के बावजूद, आप अपनी अलग पहचान बना पाते हैं। यह सफलता उतनी ही अक्षय की है जितनी रवीना, परेश भाई, जानी, मेरी या किसी भी दूसरे एक्टर की। ऐसी

फिल्में आपको दर्शकों के दिलों में दोबारा जगह बनाने का मौका देती हैं।'

'हेरा फेरी' पर क्या बोले सुनील शेट्टी

'वेलकम टू द जंगल' में सुनील ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार्स के साथ काम किया मगर हाल ही में खबर आई कि प्रियदर्शन इस फिल्म के तीसरे पार्ट से अलग हो गए हैं। फिल्म अभी अघर में लटकी हुई है। सुनील से इस बारे में पूछने पर उन्होंने कहा 'हेरा फेरी मेरे करियर की सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी है। इससे जुड़ी पुरानी यादें बहुत सुखद हैं। इस पर लगातार बनते मीम्स और इसकी लोकप्रियता को देखते हुए, कौन नहीं चाहेगा कि ऐसा हो? उम्मीद है कि 'वेलकम टू द जंगल' के बाद कुछ जादुई होगा।'

'टॉक्सिक' से नहीं होगा 'द वन' का टकराव; सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म 'द वन' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया है। आज गुरुवार को फिल्म का मोशन पोस्टर साझा किया गया है। इसी के साथ रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। पहले यह फिल्म अगस्त में रिलीज होनी थी, मगर अब दर्शक इसे सितंबर में देख पाएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का नया मोशन पोस्टर सामने आया है। इसमें सूर्यसे और थिल दोनों हैं। मोशन पोस्टर में देखा जा सकता है कि एक ताकतवर योद्धा बाघ और नंदी के बीच खड़ा है। वह निडर होकर सामना कर रहा है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'बाघ उसकी दहाड़ है...नंदी उसकी शक्ति। और वन...उसकी कहानी।' यह फिल्म अब 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

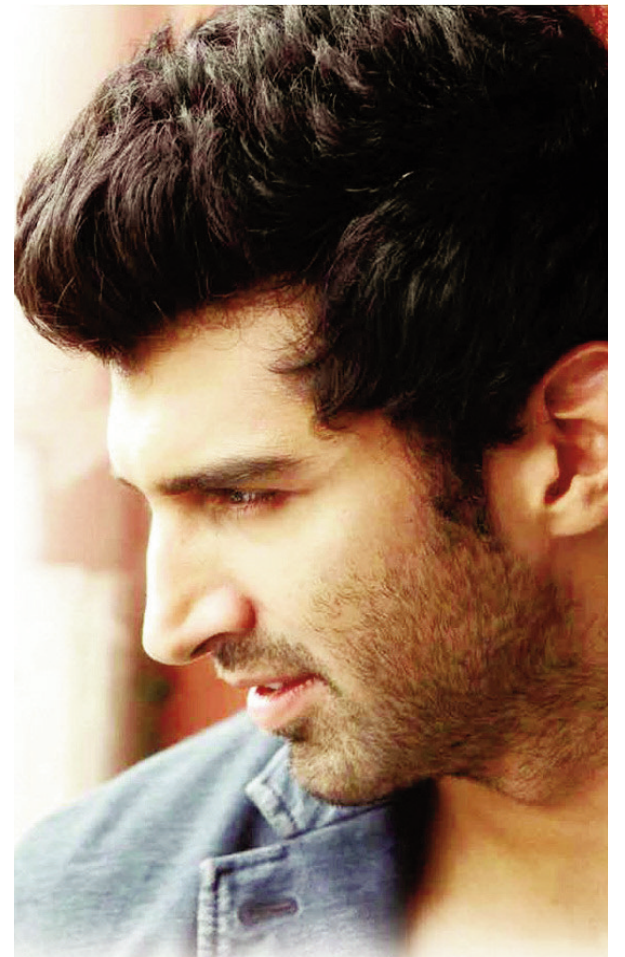
'टॉक्सिक' और 'ईटा' से

वलेश से बची 'द वन'

बता दें कि फिल्म 'द वन' पहले 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी। मगर, इसके साथ दो चर्चित फिल्में दस्तक देने वाली थीं। एक तरफ श्रद्धा कपूर अभिनीत फिल्म 'ईटा' 28 अगस्त को रिलीज हो रही है। वहीं, यश की फिल्म 'टॉक्सिक' 26 अगस्त को रिलीज हो रही है। इनसे 'द वन' का वलेश होना तय था। फिलहाल, ऐसा नहीं होगा।

जंगलों में हुई है फिल्म की शूटिंग

समाचार एजेंसी के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में मेकर्स ने कहा, 'द वन' के जरिए दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव मिलेगा। इसमें बड़े पैमाने शानदार विजुअल इफेक्ट्स शामिल हैं। इसका मकसद ऐसी भारतीय कहानियों को सामने लाना भी है, जो हर पीढ़ी के दर्शकों को पसंद आती हैं। मेकर्स की तरफ से यह भी बताया गया कि फिल्म मध्य भारत के घने जंगलों पर आधारित है और इसे प्राचीन कथाओं, छिपे हुए मंदिरों और रोमांच का मिश्रण बताया। इसकी शूटिंग असली जंगलों में की गई है।



आदित्य रॉय कपूर की नई फिल्म का ऐलान, मिलाप मिलन जावेरी संग पहली बार करेंगे काम

'आशिकी 2', 'मलंग' और

'मेट्रो... इन दिनों' जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। 'आशिकी 2' के बाद से दर्शकों ने उन्हें जूनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था।' वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, 'आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। 'आशिकी 2' से लेकर 'मेट्रो... इन दिनों' तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई

जाएगी।'

फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएगी।'

फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, 'इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूँ। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावा' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है।' उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, '2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जूनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।'

संपादकीय

अमेरिका के सामने भारत इतना दबू पहले कभी नहीं रहा

आम तौर पर किसी देश का विदेश मंत्री भारत के दौरे पर आता है या भारत के विदेश मंत्री किसी देश के दौरे पर जाते हैं तो उनकी बात अपने समकक्ष से होती है। इस लिहाज से रूबियो की बात विदेश मंत्री एस. जयशंकर से होनी चाहिए थी। विदेश मंत्रियों की दोपक्षीय वार्ता में सभी मुद्दों पर बातचीत की जाती है। जो कूटनीति होनी है या जोड़-तोड़ होनी है।

यह तय करना निर्वाचित केंद्र सरकार का अधिकार है कि भारत अपनी विदेश नीति में किस दुनिया के किन देशों से अपने रिश्तों को प्राथमिकता दे। फिर भी भारत में विदेश नीति को लेकर हमेशा आम सहमति रही है और सरकारें बदलने पर बाकी नीतियां भले ही बदलती रही हों लेकिन वैदेशिक नीति के मामले में निरंतरता रही है। दुर्भाग्य से यह सिलसिला 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद टूट गया। भारत ने न सिर्फ अपनी गुट निरपेक्षता की नीति को छोड़ दिया बल्कि उसने अपने पारंपरिक मित्र देशों से भी बहुत हद तक दूरी बनाकर खुद को पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर बना लिया। यह सही है कि सोवियत संघ के बिखरने के बाद भारत की अमेरिका से निकटता बढ़ गई, जिसका वामपंथी दलों के अलावा देश के किसी भी राजनीतिक दल ने विरोध नहीं किया। हाल के दिनों में तो यह नीतिगत झुकाव इस हद तक बढ़ गया है कि भारत सरकार की ओर से सामरिक और व्यापारिक मामलों में अमेरिका ही फैसले लेता दिखने लगा है।

यह अफसोसनाक है कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त युद्धविराम से लेकर आज तक अनेक महत्वपूर्ण फैसलों का ऐलान अमेरिकी प्रशासन ने भारत सरकार के कुछ कहने से पहले कर दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तो 50 से ज्यादा मौकों पर इस बात को दोहराया कि उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री को भारत से व्यापार बंद करने की धमकी देकर युद्धविराम के लिए राजी किया। ट्रम्प के इस कथन का भारत की ओर से विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने जरूर दबे स्वरों में खंडन किया और कहा कि 'भारत ने युद्धविराम का फैसला पाकिस्तान के अनुरोध पर किया था, किसी के दबाव में नहीं।' मगर मोदी ने आज तक अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान का प्रतिवाद नहीं किया है। इस बीच ट्रम्प ने मोदी को अपमानित करने जैसे कुछ बयान भी दिए। मसलन, उन्होंने कहा कि, 'वे चाहें तो मोदी का करियर तबाह कर सकते हैं, लेकिन वे ऐसा नहीं करेंगे।' उनके इस आपत्तिजनक बयान पर भी प्रधानमंत्री खामोश रहे। यही नहीं, इसके बाद भारत और अमेरिका के बीच दोपक्षीय व्यापारिक समझौते पर बनी सहमति और उस समझौते की शर्तों का एकतरफा ऐलान भी अमेरिका की ओर से ही कर दिया गया। हालांकि उस समझौते की कई शर्तें विवादस्पद और भारतीय हितों के खिलाफ हैं। फिर भी भारत सरकार आज तक देश को उसका कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने भारत को रूस और ईरान से तेल खरीदने के लिए मना कर दिया है लेकिन उनके इस बयान का जवाब भी भारत सरकार की ओर से चुप्पी साधकर ही दिया गया। इसके बाद इस सिलसिले में नई कड़ी हाल ही में भारत यात्रा पर आने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने जोड़ी, जब उन्होंने वॉशिंगटन में ही यह ऐलान कर दिया कि भारत वेनेजुएला से तेल खरीदेगा और जल्द ही वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोडिगेज नई दिल्ली जाएंगी। पिछले महीने की 23 तारीख को चार दिनों के लिए भारत आने के बाद मार्को रूबियो ने तो यह घोषणा भी कर डाली कि भारत पांच साल में अमेरिका से 500 बिलियन डॉलर की खरीदारी करेगा। पहले बताया गया था कि यह खरीदारी अमेरिका से होने वाले दोपक्षीय व्यापार समझौते का हिस्सा होगी। तब ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ वॉर के खिलाफ अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं आया था। जब फैसला आया तो उसने व्यापार समझौते की पूरी पृष्ठभूमि बदल डाली। बहरहाल, समझौता अभी कहीं अटक हुआ है, जबकि खरीदारी की शर्त पर भारत के सहमत होने की घोषणा रूबियो ने कर डाली है। इस पर भारत सरकार की ओर से विरोध न जताया जाना उनकी बात की पुष्टि के रूप में ही देखा जा सकता है। ऐसे और भी उदाहरण भी हैं, जिनसे अमेरिका दोपक्षीय एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अपने ढंग से पुनर्परिभाषित करता दिख रहा है।

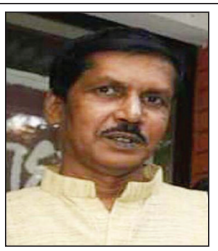


संपादक
शान मोहम्मद



कातिलाल मांडोट

विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए दिल्ली के जंजर मंजर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातर जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक ईसान के जीवन की होनी चाहिए। सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लड़ाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया



कुमार कृष्ण

अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की आस्था, पांच शताब्दियों से अधिक लंबे संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद साकार हुए राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। देश के कोने-कोने से लोगों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार इस मंदिर निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। किसी ने सौ रुपये दिए, किसी ने अपनी जीवन पर की बचत, तो किसी ने सोना-चांदी और बहुमूल्य धातुएं अर्पित कीं। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा हर प्रश्न केवल एक ट्रस्ट या संस्थान का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। यही कारण है कि मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला जब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, तो इसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दखिल जनिहत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कई सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांगा है। साथ ही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की गई है। न्यायालय ने मामले की अपाली सुनवाई की तिथि भी निर्धारित कर दी है। न्यायालय का यह कदम

है। ऐसे व्यक्ति का आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए। वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है।

यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान

राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायपालिका की यही भूमिका है—विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना। याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गबन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विश्व सिंधी सेवा संघम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दान व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज—तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए।

केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है। वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाय जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है। लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा। इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता

पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए। सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है।

इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

है, तो उसे राम के आदर्शों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन्हीं के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

यह विवाद एक अवसर भी हो सकता है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है और उसके आधार पर देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों के लिए आधुनिक वित्तीय मानक तय किए जाते हैं, तो इससे धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट के लिए स्वतंत्र वार्षिक ऑडिट, ऑनलाइन आय-व्यय विवरण, डिजिटल इन्वेंट्री, सीसीटीवी आधारित निगरानी, दान की वस्तुओं का वैज्ञानिक अभिलेखीकरण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इससे न केवल विवाद कम होंगे, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर संयम बरतना चाहिए। राम मंदिर किसी दल की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसलिए इस मामले को राजनीतिक लाभ-हानि के चर्चसे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। न्याय को अपना काम करने देना चाहिए और ज्वाए एजेंसियों को बिना किसी दबाव के तथ्य सामने लाने चाहिए।

लोककवि कैलाश गौतम की चर्चित कविता गान्धी जी की एक पंक्ति यहां अनायास याद आती है— तोहरे नाव बिकत हो सगरो...। यह पंक्ति केवल गांधी पर नहीं, बल्कि उन सभी परिस्थितियों पर लागू होती है, जहां महापुरुषों के नाम का सम्मान तो किया जाता है, लेकिन उनके मूल्यों की उपेक्षा होती है। यही बात राम पर भी लागू होती है। यदि राम के नाम पर मंदिर बने और उसी मंदिर में पारदर्शिता पर प्रश्न उठें, तो सबसे पहले चिंता उन्हीं लोगों को होनी चाहिए, जो राम को मयार्दा पुरुषोत्तम मानते हैं।

जगन्नाथ महायात्रा : आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव



ललित गर्ग

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं।



दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे। रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यंत मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरुढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ

दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा श्रृंगण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हे मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है। पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। भजनपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झ़ाड़ु से रथों के मार्ग की सफ़ाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बढ़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केंद्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंम, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है। धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यंत महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही

वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है। आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। श्रीर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, फ़िर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, फ़िर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो। दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशाक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता। (लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

